



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 61]

No. 61]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 13, 2009/माघ 24, 1930

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 13, 2009/MAGHA 24, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 2009

सं. 144 (आर ई-2008)/2004—2009

फा. सं. 01/91/180/1015/ए एम-09/नीति-3.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 (आरई-2008) में, एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

परिशिष्ट 37क की तालिका 15 में, 1-4-2008 से निर्यात के लिए, सार्वजनिक सूचना सं. 128 (आरई-2008)/2004—2009, दिनांक 7-1-2009 द्वारा शामिल टिप्पणी के अंत में निम्नलिखित वाक्य जोड़े जाते हैं :

“तालिका 15 में शामिल सभी मदों के निर्यात पर वी.के. जी.यू.वाई. लाभ सिर्फ ‘हस्तशिल्प उत्पादों’ के लिए अनुमत होंगे। इस मामले में संदेह होने की स्थिति में हस्तशिल्प के लिए निर्यात संवर्धन परिषद (ई पी सी एच) यह प्रमाणित करेगी कि निर्यातित उत्पाद एक हस्तशिल्प उत्पाद है।”

1-4-2008 से किए गए निर्यात पर यह संशोधन लागू होगा।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)
PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 13th February, 2009

No. 144 (RE-2008)/2004—2009

F.No. 01/91/180/1015/AM-09/PC-3.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures, Vol. I (RE-2008) :

For exports made w.e.f. 1-4-2008, in Table 15 of Appendix 37A, the following sentences are inserted at the end in the Note inserted vide Public Notice 128 (RE-2008)/2004—2009, dated 7-1-2009 :

“The VKGUY benefits on exports of all items included in Table 15 shall be admissible only for ‘Handicraft Products’. The Export Promotion Council for Handicraft (EPCH) shall certify that the exported product is a Handicraft product, if any doubt arises on this issue.”

These corrections shall apply on exports made from 1-4-2008.

This issues in Public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
& ex-officio Addl. Secy.